ऊर्जा प्रकोष्ठ

कोयला मंत्रालय
Ministry of Coal

सत्यमेव जयते

मासिक वित्तीय रिपोर्ट

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक

(सितंबर से नवंबर, 2023)

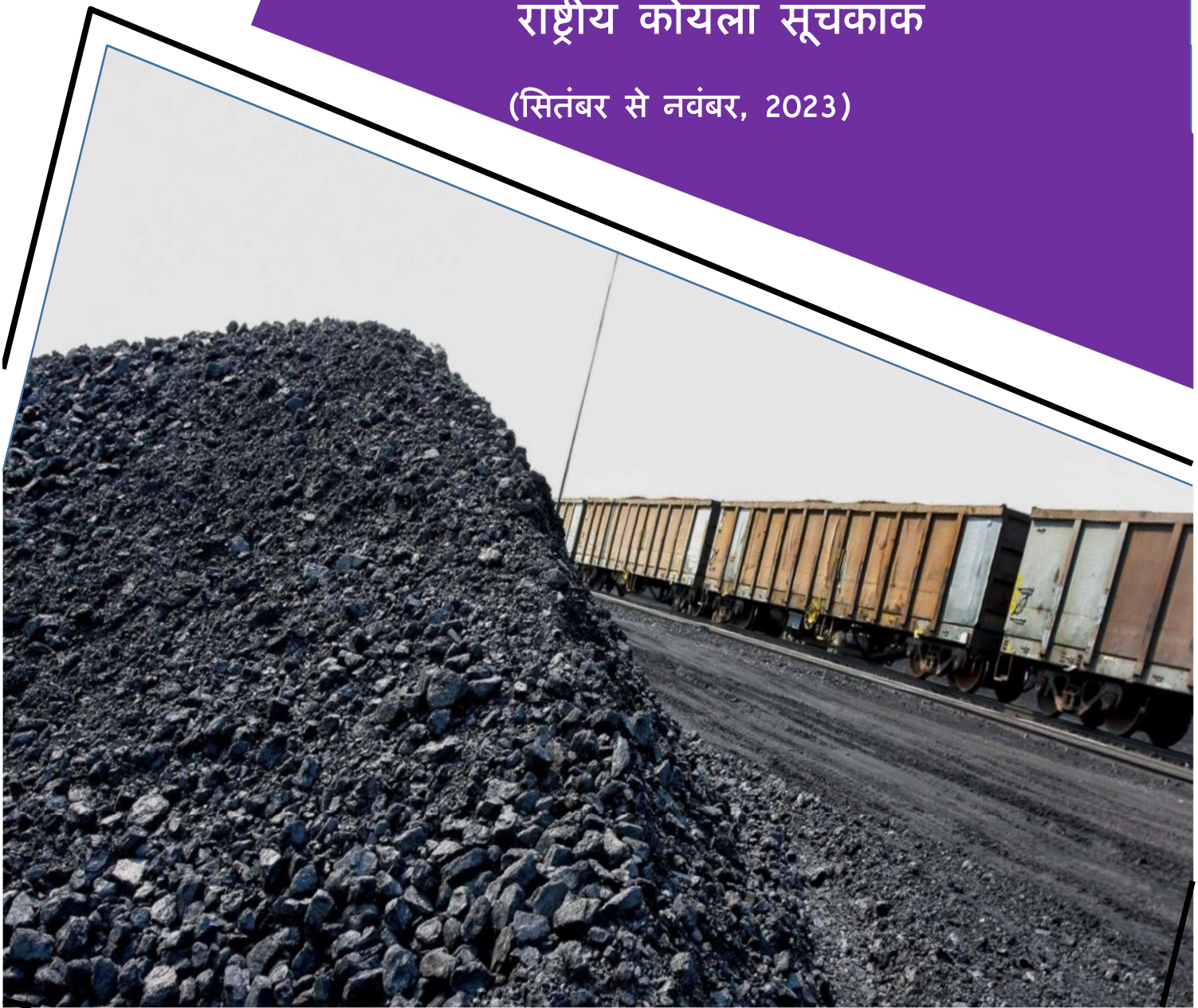

प्रस्तावना

यह रिपोर्ट नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी, कोयला मंत्रालय की ऊर्जा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गई है। ऊर्जा प्रकोष्ठ देश के कोयला क्षेत्र पर विभिन्न वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण तैयार करने, कोयला और कोयला आधारित उत्पादों में मूल्य रुझानों की निगरानी करने, घरेलू बाजार और संभावित नीति परिवर्तनों की निगरानी और विश्लेषण करने करने के लिए उत्तरदायी है।

यह रिपोर्ट सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2023 के माह के लिए कोयला क्षेत्र में वैश्विक और घरेलू मूल्य रुझानों पर एक संक्षिप्त विश्लेषण प्रदान करती है। यह रिपोर्ट कोयला मंत्रालय और विश्व बैंक की मासिक वस्तु मूल्य सूची से मिली सूचना का उपयोग करके तैयार की गई है। इसके अलावा, सितम्बर, अक्तूबर और नवम्बर माह के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा जारी मासिक राष्ट्रीय कोयला सूचकांक का उपयोग इस रिपोर्ट में कोयले के वैश्विक मूल्यों के साथ तुलना हेतु आधार के रूप में किया गया है।

प्रकाशन की तिथि: फरवरी 2024

विषय-सूची

1. घरेलू कोयले का मूल्य

1.1 परिचय 5

1.2 राष्ट्रीय कोयला सूचकांक 6

1.3 प्रतिनिधि मूल्य 7-10

2 वैश्विक कोयला मूल्य 12

2.1 ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका

3 निष्कर्ष 13

1. घरेलू कोयले का मूल्य

1.1 परिचय

भारत में राष्ट्रीय कोयला सूचकांक और प्रतिनिधि मूल्य (एनसीआई) की गणना कोयले के विभिन्न बिक्री माध्यमों अर्थात अधिसूचित मूल्यों, नीलामी मूल्यों और आयात मूल्यों से कोयले के मूल्यों को मिलाकर की जाती है।

कोकिंग और नॉन-कोकिंग कोयले के लिए अधिसूचित मूल्य संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों, डब्ल्यूसीएल और एससीसीएल) द्वारा विनियमित क्षेत्र और गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) से संबंधित कुछ मूल्य अंतर के साथ निर्धारित किए जाते हैं।

नीलामी मूल्य सीआईएल और एससीसीएल द्वारा एमएसटीसी और जंक्शन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर आयोजित ई-नीलामी और एनआरएस के लिए सीआईएल द्वारा की गई लिंकेज नीलामी से लिए जाते हैं। सूचकांक के उक्त प्रयोजन के लिए, केवल सीआईएल की नीलामी (ई-नीलामी और लिंक नीलामी दोनों) से विभिन्न ग्रेडों के कोयले की यूनिट वैल्यू ली जा रहा है।

प्रत्येक माह के आयात मूल्यों के उद्देश्य से डीजीसीआईएस से आयात की मात्रा और उसकी वैल्यू का संग्रहण किया जाएगा और इन दोनों वैल्यू से कोयले की यूनिट वैल्यू की गणना की जाएगी। वर्तमान में, इंडोनेशियाई कोयले के मूल्य की वेटेज 50% है, जबकि दक्षिण अफ्रीकी और ऑस्ट्रेलियाई कोयले के मूल्यों में प्रत्येक की वेटेज 25% है।

इसके अलावा, इस उद्देश्य के लिए विचार किया गया आयात मूल्य **सीआईएफ वैल्यू**

(लागत बीमा भाड़ा) है जो वह वैल्यू है जिसमें कोयले की लागत, परिवहन की अवधि के लिए बीमा की लागत और आयात बंदरगाह तक परिवहन लागत शामिल है अर्थात कोयले के आयात की कुल लागत आयातक के हाथों में है।

यहां, सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2023 के माह के लिए राष्ट्रीय कोयला सूचकांक के आंकड़ों को विश्लेषण के उद्देश्य से लिया गया है। ग्रेड-वार कोयला सूचकांक से संबंधित निम्नलिखित आंकड़े **अनुबंध-I** में दिए गए हैं।

1.2 राष्ट्रीय कोयला सूचकांक

अनुबंध-I में संदर्भित आंकड़ों से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि सितंबर से नवंबर के सूचकांक में आरोही परिवर्तन हुआ है जो 143.91 अंक से बढ़कर 155.09 अंक हो गया है जो कोयले के वैश्विक मूल्यों में वृद्धि को दर्शा रहा है जिसका कारण विश्व भर में कोयले की बढ़ती मांग को माना जा सकता है। इन महीनों के दौरान कोयले की मांग में इस वृद्धि को सितंबर, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2023 के महीनों में दुनिया भर में आगामी **शीतकाल और त्योहारी सीजन** के माध्यम से समझाया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा की मांग में वृद्धि हुई और इकोनॉमी में मांग में सामान्य वृद्धि हुई जिससे कोयले की आवश्यकता वाले अन्य आवश्यक उत्पादों जैसे इस्पात, सीमेंट आदि की मांग में वृद्धि हुई। लेकिन, यह भी देखा जा सकता है कि विद्युत उत्पादन में प्रयुक्त कोयले के निचले ग्रेडों में गिरावट या स्थिरता की सामान्य प्रवृत्ति रही है जो यह दर्शाता है कि घरेलू कोयले की पर्याप्त आपूर्ति हुई है जो कोयले की घरेलू आपूर्ति से विद्युत उत्पादन के लिए प्रयुक्त कोयले का एक बड़ा हिस्सा है।

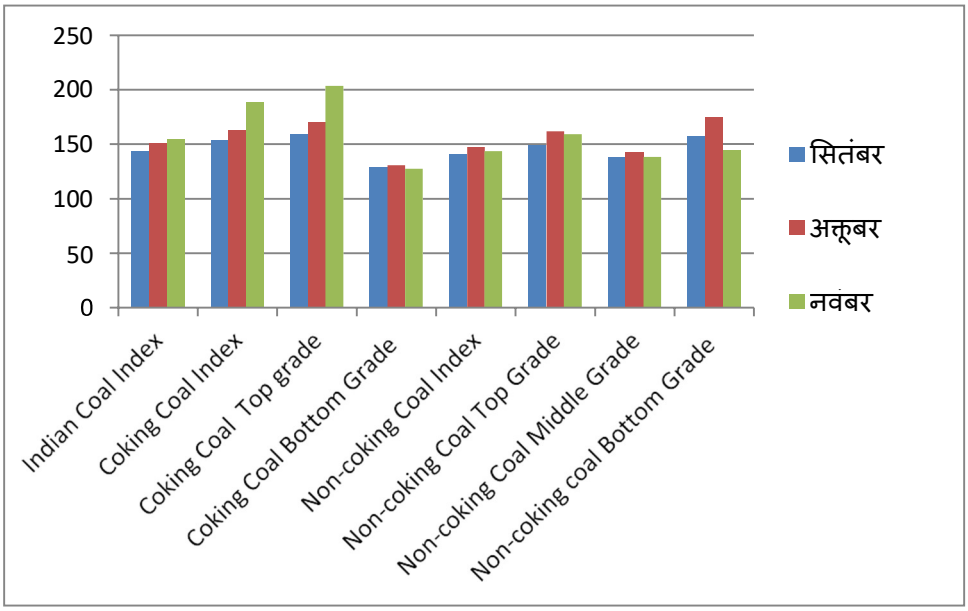

चित्र 1. राष्ट्रीय कोयला सूचकांक

1.3 प्रतिनिधि मूल्य (आरपी)

कोयले के एसटी-1 और एसटी-2 ग्रेड को छोड़कर कोयले के विभिन्न ग्रेडों के प्रतिनिधि मूल्यों ने सितंबर से नवम्बर के महीनों में अधिकांशत स्थिरता की समान प्रवृत्ति दर्शाई है अथवा इनमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, एसटी -1 और एसटी -2 ग्रेड में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव देखे जा सकते हैं और इस वृद्धि को ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया से कोकिंग कोयले के आयात मूल्यों में उल्लेखनीय वृद्धि से समझाया जा सकता है।

(मूल्य रु./मि.ट. में)

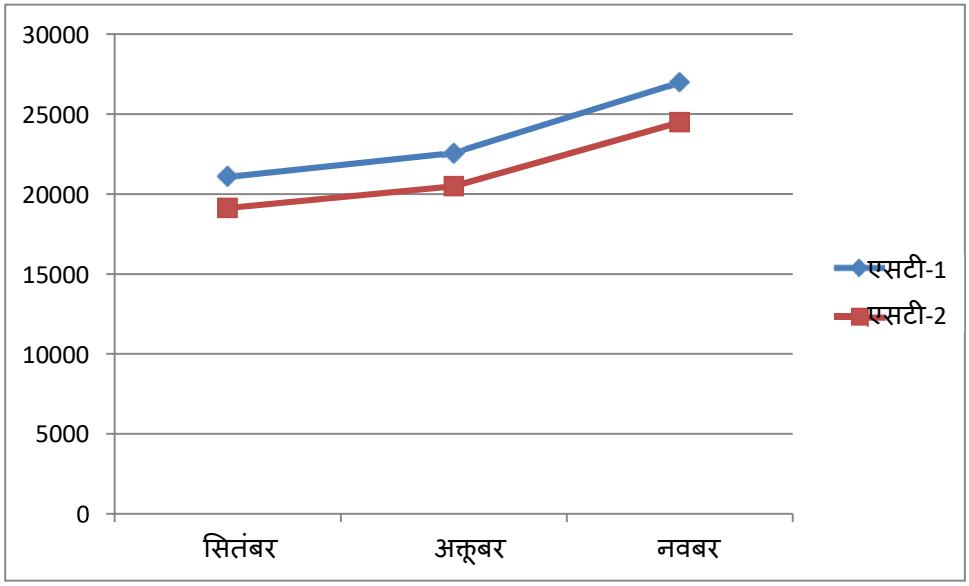

*चित्र 2 *एसटी - स्टील ग्रेड*

एसटी-I और एसटी-II दोनों में कोकिंग कोयला टॉप ग्रेड के लिए प्रतिनिधि मूल्य में लगभग 28% की वृद्धि हुई है।

(मूल्य रु./मि.ट. में)

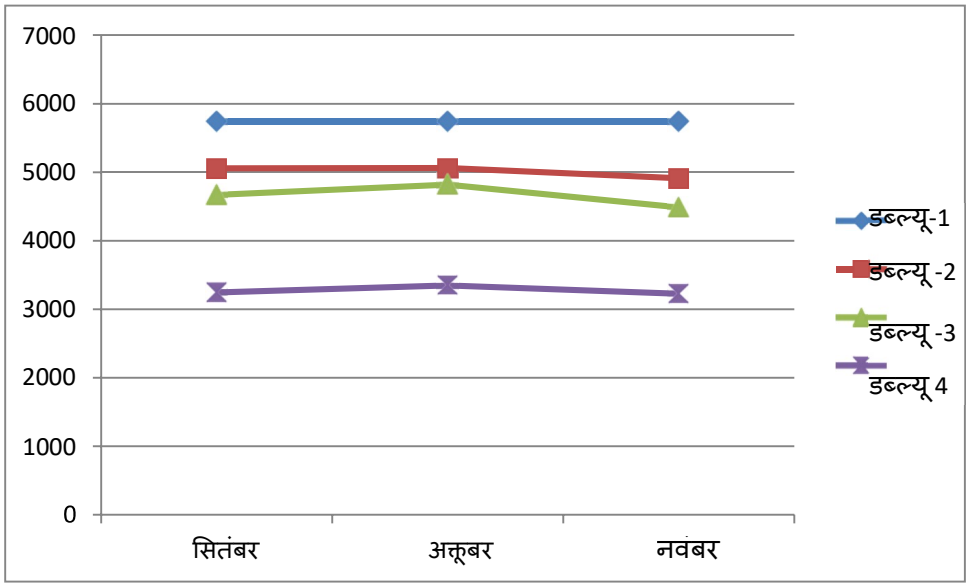

चित्र 3 *डब्ल्यू - वाशरी ग्रेड

डब्ल्यू-I, डब्ल्यू-II और डब्ल्यू-IV में कोकिंग कोयला बॉटम ग्रेड के लिए प्रतिनिधि मूल्य (आरपी) अधिकतर (लगभग) अपरिवर्तित रहे, जबकि लगभग 3.92% की गिरावट आई है।

(मूल्य रु./मि.ट. में)

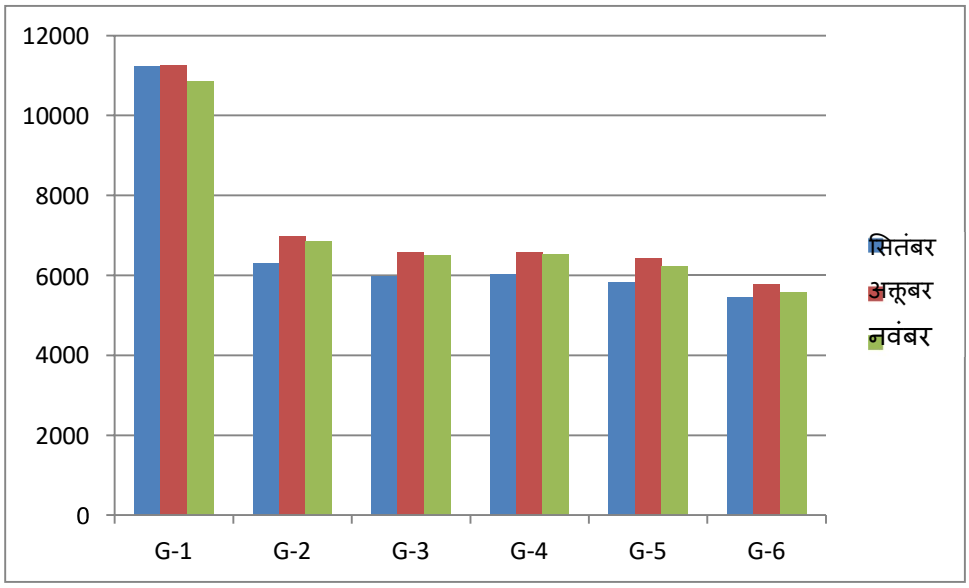

चित्र 4 *जी - ग्रेड

केवल जी-1 ग्रेड में नॉन-कोकिंग कोयला टॉप ग्रेड के लिए प्रतिनिधि मूल्य में सितम्बर से नवम्बर तक 3.32% की कमी दर्शाई गई है और जी-2 से जी-6 तक के अन्य सभी ग्रेडों में उक्त अवधि के लिए 6.94% की औसत वृद्धि दर्शाई गई है।

(मूल्य रु./मि.ट. में)

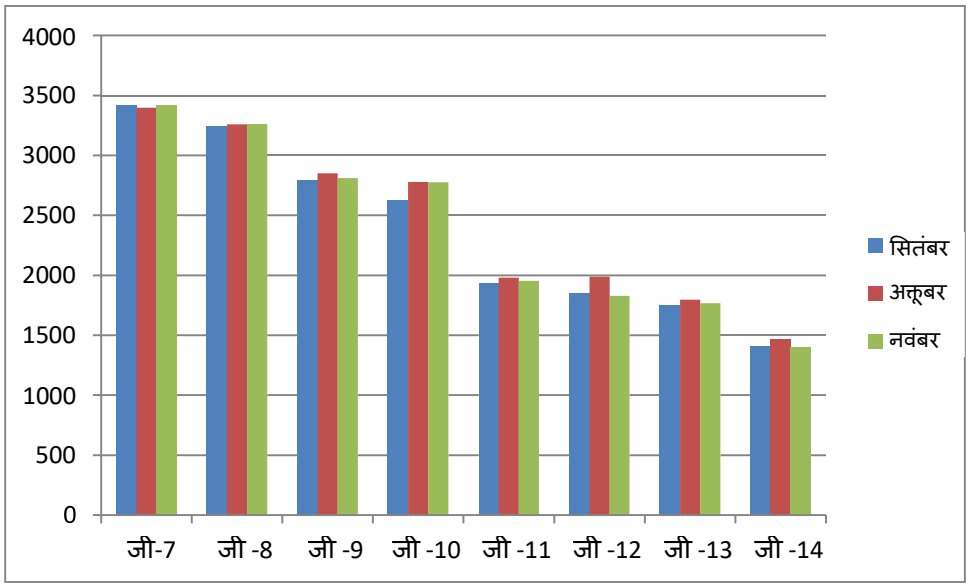

*चित्र 5 *जी-ग्रेड*

गैर-कोकिंग कोयला मिडिल ग्रेड के लिए प्रतिनिधि मूल्य जी-12 ग्रेड को छोड़कर सितम्बर से नवम्बर की अवधि के दौरान मामूली वृद्धि की सामान्य प्रवृत्ति दर्शा रहा है। इसके अलावा, यह भी देखा जा सकता है कि संदर्भित अवधि के दौरान मूल्यों में ग्रेड जी-12 में लगभग 8% की महत्वपूर्ण गिरावट आई है और जी-10 में लगभग 5.75% की वृद्धि हुई है।

(मूल्य रु./मि.ट. में)

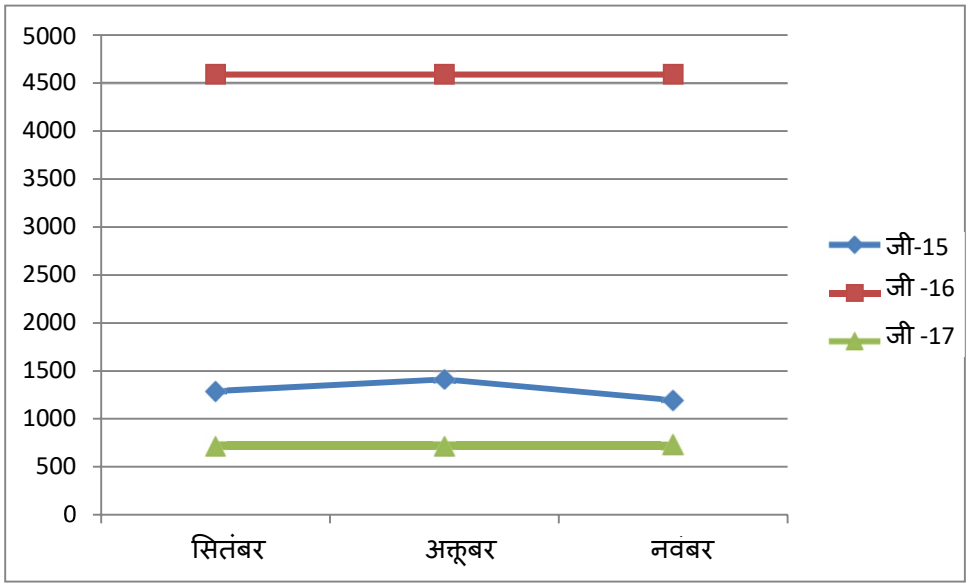

*चित्र 6 *जी - ग्रेड*

नॉन-कोकिंग कोयला बॉटम ग्रेड जी-16 और जी-17 के लिए प्रतिनिधि मूल्य मुख्यतः अपरिवर्तित रहा है। जबकि, जी-15 एकमात्र ग्रेड है जिसने नवंबर में लगभग 15.4% की महत्वपूर्ण गिरावट के साथ समाप्त होने वाले तीन महीने की अवधि के दौरान परिवर्तन दर्शाया है, जो विश्लेषण अवधि के दौरान इस ग्रेड के कोयले की प्रचुर आपूर्ति दर्शा रहा है।

2. वैश्विक कोयला मूल्य

सितंबर से नवंबर 2023 की अवधि के दौरान, ऑस्ट्रेलिया के कोयले के मूल्य में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कोयले के मूल्य ने संदर्भित अवधि के दौरान मिली-जुली प्रवृत्ति दिखाई है।

इसके अलावा, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के आयात मूल्यों को विश्लेषण प्रयोजनों के लिए लिया गया है क्योंकि ये भारत को कोयले के दो सबसे बड़े निर्यातक हैं और क्योंकि एनसीआई और आरपी की गणना हेतु भारत के लिए उनके आयात मूल्य भी लिए जाते हैं। इंडोनेशियाई कोयले के मूल्य वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं। हालांकि, यह भारत को कोयले के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है।

2.1 ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका

ऑस्ट्रेलियाई कोयले के मूल्यों में सितंबर से नवंबर के महीनों में लगभग 22% की महत्वपूर्ण गिरावट आई है और अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीकी मूल्यों में 28.60% की वृद्धि हुई है, जिसके बाद नवंबर के महीने में यह 15% गिर गए।

(मूल्य $/मि.ट. में)

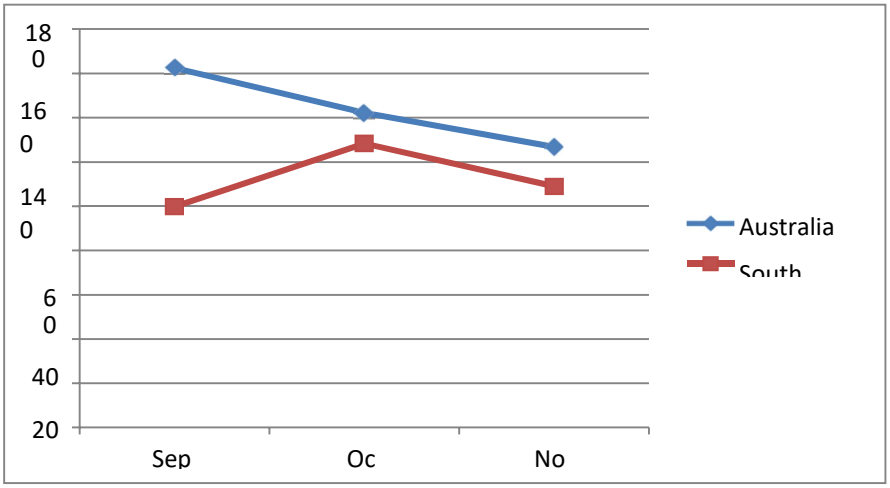

*चित्र 7 *मूल्य ($/मि.ट.) में*

3. निष्कर्ष

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर है, अपनी ऊर्जा आवश्यकता के 75% के लिए कोयले पर निर्भर है, जो प्रमुख रूप से घरेलू स्तर पर उत्पादित होता है जबकि इसका कुछ हिस्सा मुख्य रूप से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से आयात किया जाता है। इस प्रकार, राष्ट्रीय कोयला सूचकांक और प्रतिनिधि मूल्य की गणना घरेलू उत्पादन के मूल्यों और इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कोयले के मूल्यों को, इसके आयात मूल्य घटक के लिए, ध्यान में रखते हुए की जाती है।

भारतीय एनसीआई ने 143.91 अंकों से 155.09 तक की वृद्धि दर्शाई, जो आगामी शीतकाल और त्योहारी सीजन के कारण विशेष रूप से उत्तरी गोलार्ध में ऊर्जा की बढ़ती मांग का प्रतिबिंब हो सकता है। तथापि, कोयले के लगभग सभी ग्रेडों में सापेक्ष स्थिरता अथवा प्रतिनिधि मूल्यों में गिरावट का अर्थ यह है कि भारत घरेलू कोयले के घरेलू उत्पादन और आपूर्ति में वृद्धि प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है जो पिछले 9 वर्षों की अवधि में 609.18 मि.ट. से बढ़कर 893.19 मि.ट. तथा 603.77 मि.ट. से बढ़कर 877.54 मि.ट. हो गया है। इसके अलावा, सितंबर से नवंबर 2023 के महीने तक स्टील ग्रेड कोयले के प्रतिनिधि मूल्यों में लगभग 28% की पर्याप्त वृद्धि को आगामी त्योहारी सीजन के कारण विनिर्माण क्षेत्र में इस्पात की मांग में वृद्धि के माध्यम से समझाया जा सकता है।

इसके अलावा, वैश्विक मूल्यों के लिए, ऑस्ट्रेलियाई कोयले की मूल्यों में गिरावट ऑस्ट्रेलिया में कोयले के उत्पादन और इंवेंटरी में वृद्धि की वजह से हो सकती है, जिसके कारण मांग और आपूर्ति की बाजार ताकतों के परिणामस्वरूप सितंबर से नवंबर 2023 की अवधि के दौरान ऑस्ट्रेलियाई कोयले के मूल्यों में लगभग 22%

की गिरावट आई। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीकी कोयले के मूल्य द्वारा प्रदर्शित मिश्रित रुझान, जहां यह पहली बार अक्टूबर में 28.60% बढ़ा और फिर 15% गिर गया, को अफ्रीका में रेल परिवहन में हालिया व्यवधान से समझा जा सकता है जो कोयले की निकासी के लिए उपयोग किया जाने वाला परिवहन का मुख्य साधन है जिसके कारण पहले मूल्य में वृद्धि हुई और तब विश्व में ऊर्जा खपत का बदलता पैटर्न निकासी की समस्या और निर्बाध आपूर्ति के समाधान के साथ हरित ऊर्जा स्रोतों की ओर शिफ्ट हो रहा है जिसके कारण दक्षिण अफ्रीकी कोयले के मूल्य में कमी आई है।

कोयला मंत्रालय
Ministry of Coal